

सफाई व्यवस्था में अनियमितता देखकर भड़के मंत्री मदन दिलावर

जिला प्रमुख और प्रधान को सस्पेंड करने तक की धमकी दे डाली, बीडीओ को भी फटकार लगाई

चूरू, (निर्सं) शिक्षा, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को जिला मुख्यालय की ग्राम पंचायत श्योपुरा के गांव ढाणी लालसिंहपुरा व ढाणी डीएस पुरा का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जानकारी के अनुसार मंत्री दिलावर मंगलवार सुबह चूरू में एक शोकसभा में पहुंचे थे। इसके बाद वे सुबह करीब 8 बजकर 1.5 मिनट पर गांव ढाणी लालसिंह पुरा व ढाणी डीएस पुरा पहुंच गये। उन्होंने गांव की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। ढाणी डीएस पुरा में निरीक्षण के दौरान लगे गंदगी के ढेर को देखकर वे भड़क उठे और अधिकारियों को फटकार लगाई। इस दौरान सफाई व्यवस्था में अनियमितता को देखकर उन्होंने जिला प्रमुख वंदना आर्य और प्रधान दीपचंद राहड़ को सस्पेंड करने तक की धमकी दे डाली और बीडीओ महेन्द्र भार्गव को भी जमकर फटकार लगाई। इस दौरान मंत्री ने ग्रामीणों से भी सफाई व्यवस्था का फीडबैक लिया। ग्रामीणों ने सफाई व्यवस्था को



मंत्री मदन दिलावर ने ढाणी लालसिंहपुरा व ढाणी डीएसपुरा में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।।

लेकर मंत्री को शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि तीन महीनों से गांव में सफाई नहीं हुई है। ग्रामीणों की शिकायत पर मंत्री दिलावर ने बीडीओ भार्गव को सफाई के लिए पाबंद किया और सरपंच और ठेकेदार पर कार्यवाही करने की बात कही और

जमा गंदा पानी और कीचड़ के लिये ग्रामीणों ने बताया कि मंत्रीजी ये गांव की आम समस्या है। यहां हर समय कीचड़ फैला रहता है। सरपंच को शिकायत करने के बावजूद भी समाधान नहीं हो रहा है।

गौरतलब है कि जहां पानी इकट्ठा

होता है, उसके पास ही एक रिचार्ज वेल भी बनाया हुआ है, फिर भी यहां पानी भरता है। इस पर मंत्री ने कहा कि लगता नहीं कि यहां सफाई होती है, उन्होंने कहा कि ठेकेदार फ्री के पैसे ले रहे हैं। इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ श्वेता कोचर, उप जिला प्रमुख

■ **मंत्री ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 सितंबर तक सफाई व्यवस्था में सुधार करवाएं, मैं दोबारा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करूंगा**

महेन्द्र न्यूील, सरपंच फोर्म के अध्यक्ष बलवीर ढाका, भाजपा नेता भंवर गुर्जर, हरिराम चौपड़ा, ओम सारस्वत, रवि आर्य, दौलत तंवर, नरेंद्र काछवाल, ब्रह्मानंद राजोतिया, भरत चारण आदि उपस्थित थे।

इस दौरान मंत्री ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 सितंबर तक सफाई व्यवस्था में सुधार करवाएं। 20 दिन बाद मैं दोबारा सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करूंगा। अगर सफाई नहीं मिली तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी।

एआई से विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाया, सात गिरफ्तार

महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था, जबरन दोस्ती का दबाव बना रहा था आरोपी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से एक विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाकर बायरल करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पीड़िता ने सखीना थाना क्षेत्र में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था। उन दिनों से ही दोस्ती का दबाव बना रहा था। थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि महिला एक सप्ताह से पीहर में रह रही थी। आरोपी ने 4 सितंबर को एआई

से आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसके पति को भेज दिया। पति ने जब यह वीडियो देखा तो वे हैरान रह गए। उन्होंने इसकी जानकारी पत्नी को दी।

महिला ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी 2021 में कॉलेज में उसके साथ ही पढ़ता था। तब से ही दोस्ती करने का दबाव बनाता रहता था। करीब 10 महीने पहले ही विवाहिता शादी हुई थी। उसके बाद भी उसने विवाहिता का पीछा नहीं छोड़ा। आरोपी फिलहाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी युवराज सिंह के साथ ही

वीडियो बायरल करने में सहयोग देने पर हेमलता डांगी, हरीश पटेल, हितेश पटेल, दिलीप पटेल, जागदीश पटेल और सिद्धार्थ पटेल को गिरफ्तार किया है जिनसे पूछताछ जारी है। थाना अधिकारी ने बताया कि दोस्ती नहीं करने पर आरोपी फेंक अश्लील वीडियो बनाकर शेयर करने की धमकी दे रहा था। इस वजह से विवाहिता ने पुराना मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया था। ऐसे में आरोपी ने परिचितों को यह वीडियो भेज दिया। आरोपी ने फेंक वीडियो के जरिए बदनाम करने की कोशिश की है।

नाले में बही महिला का शव मिला

टोंक, (निर्सं)। पीपलू कस्बे से लापता हुई महिला का शव क्षेत्र के भोपता नाले में रपट के पास मिला है, जिसे एसडीआएफ टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार को ढूंढ निकाला। वहीं पीपलू थाना पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पीपलू निवासी मोबिना बानो पत्नी एहसान नद्दाफी जो सोमवार सुबह घर से बिना बताए निकली थी, जब वह कुछ समय पश्चात घर नहीं आयी तो परिजनों ने आसपास तलाश किया। बाद तलाश के शाम को भोपता नाला में रपट के पास महिला की चप्पलें मिली, जहां नाले में बहने की आशंका के चलते परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पीपलू थाना पुलिस ने एसडीआएफ टीम को सूचना दी, उसके बाद मंगलवार को एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर भोपता नाला में सचं ऑपरेशन शुरू कर दोपहर तक महिला का शव नाले से निकाला।

साधारण दुकान में संचालित हो रहा है बोरावड़ उपडाकघर, उपभोक्ता परेशान

बोरावड़, (निर्सं)। बोरावड़ उपडाकघर को पुराने भवन के जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2०24 में आनन-फानन में एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया गया, लेकिन यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थिति यह है कि डाकघर के भीतर कार्डेंट बेहद संकरे स्थान पर संचालित हो रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का सामना करना पड़ रहा है। यहां न खिड़की है और न वेंटिलेशन की व्यवस्था, ऐसे में गर्मी और बिजली कटौती की स्थिति में वातावरण असहनीय हो जाता है। बारिश के दिनों में पानी सीधे अंदर घुसने का खतरा बना रहता है, जिससे अभिलेख और सिस्टम को नुकसान हो सकता है। वहीं धूल-आंधियों के चलते कंप्यूटर बार-बार खराब होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं।

पौने के पानी और बैठने की व्यवस्था का भी कोई प्रबंध नहीं है, जिसके कारण बुजुर्गों और महिलाओं को घंटों खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। ऐसी की सुविधा



बोरावड़ उपडाकघर में मूलभूत सुविधाएं नहीं होने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं।

न होने से गर्मी में सिस्टम ओवरहीट होकर बार-बार बंद हो जाते हैं और कर्मचारी व उपभोक्ता दोनों ही परेशानी झेलते हैं। ग्रामीणों के आटाह पर पूर्व विषाधक रूपराम मुरावतिया सहित नगरपालिका बोरावड़ के निवर्तमान

उपाध्यक्ष शमीम खत्री, केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव सुरेश कुमार सोनी, निवर्तमान पार्षद प्रकाश सोनगरा, एडवाकेट अनिल कुमार सोनी, कैलाश गेलड़ा व शहर के गणमान्य नागरिकों ने इस अव्यवस्थित

व्यवस्था को गंभीर लापरवाही बताते हुए पोस्ट मास्टर जनरल, राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र (जोधपुर) को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि उपडाकघर जैसी जनता से सीधे जुड़ी सुविधा का इस तरह बिना योजना के एक साधारण

■ **बोरावड़ उपडाकघर का पुराना भवन जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2024 में इसे एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया था**

■ **यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं**

दुकान में संचालन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। नागरिकों ने मांग की है कि बोरावड़ जैसे महत्वपूर्ण उपडाकघर को नियमानुसार सुविधाओं वाले भवन में शीघ्र पुनः स्थानांतरित किया जाए। साथ ही जब तक यह संभव न हो, तब तक वर्तमान भवन में वेंटिलेशन, एसी, पानी और प्रतीक्षा क्षेत्र जैसी न्यूनतम सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं।

पब्लिक प्लेस पर जुआ खिलवाने के मामले में एक गिरफ्तार

सीकर, (निर्सं)। पब्लिक प्लेस पर जुआ खिलवाने के मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी जोर-जोर से चिल्लाकर लोगों को बुलाता और 1० रुपए के बदले 9० रुपए कमाने का झांसा देता था। आरोपी को एलआईसी ऑफिस के पास से पकड़ा गया है। मामला सीकर की कोतवाली थाने का है।

सीकर कोतवाली पुलिस थाना के हेड कॉन्स्टेबल कल्याण सिंह ने बताया कि एलआईसी ऑफिस के

सामने एक खंडहर हवेली के बाहर एक लड़के की ओर से जुआ खिलवाने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब लड़का आवाज लग रहा था कि 1० रुपए लगाओ और 9० रुपए कमाओ। पुलिस को देखते ही लड़का भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पड़ताछ में उसने अपना नाम वीरेंद्र पुत्र कल्याण निवासी मोहल्ला हरिजन होना बताया। आरोपी लड़के ने बताया कि वह 1 से 1० अंकों पर जुआ खिलवाता है। पैसे लगाने

वाले ने जो नंबर बोला यदि उस नंबर का कार्ड खुल जाता है तो पैसे लगाने वाले को नौ गुना पैसे मिलते हैं। ताश के पत्तों के जरिए यह जुआ चलता है। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब 11०० रुपए और जुए का हिसाब बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक भले ही यह आरोपी लोगों को 1० रुपए में जुआ खिलवाता हो लेकिन इस तरह रोजाना यह सैकड़ों लोगों से रुपए ऐंट लेता है। कार्रवाई में कॉन्स्टेबल लक्ष्मणराम और शुभकरण भी शामिल रहे।

1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए 17 रेल कर्मियों को श्रद्धांजलि दी

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे जोधपुर मंडल के गडरा रोड रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को 1965 के भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए 17 रेल कर्मचारियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी विशेष निरीक्षण ट्रेन से गडरा रोड पहुंचे और शहीद स्मारकों पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। डीआरएम त्रिपाठी ने कहा कि 1965 के युद्ध में रेल कर्मचारियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए थे। पुरा रेल परिवार उनके बलिदान को नम्र करता है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ

मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक विक्रम सिंह, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर जोगेंद्र मीणा, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक अरविंद शर्मा सहित मंडल के कई अधिकारी, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के मंत्री मनोज कुमार परिहार, यूनियन पदाधिकारी, बीएसएफ के जवान एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि के बाद आयोजित सभा की अध्यक्षता डीआरएम ने की। सभा में जनप्रतिनिधियों और

स्थानीय नागरिकों ने भी शहीदों को नमन किया। यूनियन मंत्री मनोज कुमार परिहार ने अपने संबोधन से पूर्व शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन भी मंडल रेल प्रबंधक को सौंपा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात डीआरएम ने गडरा रोड से मुनाबाव खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा संरक्षा एवं यात्री सुविधाओं से जुड़े मानकों की समीक्षा की। बाड़मेर स्टेशन पर भी डीआरएम ने शहीद नामवाली पर पुष्प अर्पित कर शहीद रेलकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई।

एआई से विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाया, सात गिरफ्तार

महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था, जबरन दोस्ती का दबाव बना रहा था आरोपी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से एक विवाहिता का अश्लील वीडियो बनाकर बायरल करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पीड़िता ने सखीना थाना क्षेत्र में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी महिला के साथ साल 2021 में कॉलेज में पढ़ता था। उन दिनों से ही दोस्ती का दबाव बना रहा था। थानाधिकारी अजय सिंह राव ने बताया कि महिला एक सप्ताह से पीहर में रह रही थी। आरोपी ने 4 सितंबर को एआई

से आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसके पति को भेज दिया। पति ने जब यह वीडियो देखा तो वे हैरान रह गए। उन्होंने इसकी जानकारी पत्नी को दी।

महिला ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी 2021 में कॉलेज में उसके साथ ही पढ़ता था। तब से ही दोस्ती करने का दबाव बनाता रहता था। करीब 1० महीने पहले ही विवाहिता शादी हुई थी। उसके बाद भी उसने विवाहिता का पीछा नहीं छोड़ा। आरोपी फिलहाल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी युवराज सिंह के साथ ही

वीडियो बायरल करने में सहयोग देने पर हेमलता डांगी, हरीश पटेल, हितेश पटेल, दिलीप पटेल, जागदीश पटेल और सिद्धार्थ पटेल को गिरफ्तार किया है जिनसे पूछताछ जारी है। थाना अधिकारी ने बताया कि दोस्ती नहीं करने पर आरोपी फेंक अश्लील वीडियो बनाकर शेयर करने की धमकी दे रहा था। इस वजह से विवाहिता ने पुराना मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया था। ऐसे में आरोपी ने परिचितों को यह वीडियो भेज दिया। आरोपी ने फेंक वीडियो के जरिए बदनाम करने की कोशिश की है।

दोस्त की हत्या के आरोपी की पैदल परेड़ कराई

भीलवाड़ा, (निर्सं)। सदर थाना क्षेत्र के ओम नगर में गत दिनों फाइनंसेर कमलेश सुथार की गला रेत कर हत्या के मामले में एमजी हॉस्पिटल में भर्ती आरोपी दोस्त रणवीर उर्फ बबलू सिसोदिया को गिरफ्तारी के बाद कलेक्ट्री से पैदल परेड़ कराते हुए अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि आजाद नगर निवासी और फाइनंसे कंपनी में कार्यरत कमलेश सुथार की शनिवार रात ओम नगर में गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के इस मामले में कमलेश के ही दोस्त ओम नगर निवासी रणवीर उर्फ बबलू सिसोदिया को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। रणवीर सिंह को मंगलवार को पुलिस ने कलेक्ट्री से परेड़ निकालते हुए अदालत में पेश किया, जहां से कोर्ट ने आरोपित को वेपन की रिकवरी, मौका तस्क़ीक, अनुसंधान आदि के लिए दो दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया।

पति-पत्नी की मौत का कारण बनने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज़

■ **हाईकोर्ट ने कहा कि मेहराराम पर आरोप बेहद गंभीर प्रकृति का है, इसलिए मामले के गुणावगुण पर टिप्पणी किए बगैर जमानत देना न्यायोचित नहीं है**

गवाहों के बयानों में स्पष्ट हुआ कि आरोपी मेहराम मृतका धाऊ देवी को लगातार तंग और परेशान कर रहा था। वह लगातार फोन कर व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर अपने साथ शादी करने और अवैध संबंध बनाने के लिए तंग कर रहा था। गवाहों के अनुसार, समझाने के बावजूद भी मेहराम नहीं माना और कुछ महीने पूर्व उसने धाऊ देवी के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर बायरल कर दिए थे। गवाहों की साक्ष्य के मुताबिक धाऊ देवी ने मेहराराम की हरकतों से परेशान होकर 2 फरवरी

2०24 की शाम को घर के झोंपड़े में फंदा लगाकर सुसाइड की कोशिश की। इससे पहले उसने मोबाइल सामने रखकर आरोपी को वीडियो कॉल किया था। इस दौरान महिला ने कानों में हैंड फोन लगा रखे थे। परिवार के अन्य सदस्यों ने उसे फंदे पर लटकते देखा तो उतारकर शेरगढ़ स्थित हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बाद में उसे जोधपुर रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान 7 फरवरी को रात करीब 11 बजे मौत हो गई। जब महिला के पति सुरेश को पत्नी की मौत और इसकी वजह के बारे में पता चला, तो उसने भी बदनामी दूसरे

दिन 8 फरवरी 2०24 को ही घर से कुछ दूर जाकर एक पेड़ पर फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

मामले में पुलिस ने मृतक सुरेश के छोटे भाई गुलाबराज, मृतका के पिता अंबाराम, उनके भाई रंवेतराम, भाभी गीतादेवी, बहन वीरो देवी, मृतक सुरेश की भाभी पेपोदेवी, मां सुजी देवी, पिता बाबूराम, पड़ोसी सुमेशसिंह की गवाही भी दर्ज की थी, जिसमें आरोपी मेहराराम की करतूतों का स्पष्ट उल्लेख था। सुनवाई के दौरान मेहराराम के वकील ने दलील दी कि आरोपी को इस मामले में छूटा फंसाया गया है। लोक अभियोक्तक जर्जार्नराम कलबो ने जमानत याचिका का विरोध किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी मेहराराम की ओर से पेश जमानत अर्जी को खारिज कर दिया।

सरकारी नौकरी का प्रलोभन देकर ठगी की

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के कुछ युवकों से सरकारी नौकरी के नाम पर लाखों का फ्राँड हो गया। पीड़ितों से यहां पर आरोपियों ने दस- दस हजार रूपए लिए, फिर जयपुर बुलाकर लाखों की रकम ऐंट ली। मामला गत साल का है। पीड़ितों की तरफ से अब संयुक्त रिपोर्ट उदयमंदिर थाने में दी गई है। पीड़ित संविदा पर नौकरी करते हैं। फिलहाल कोर्ट से मिले इस्तग़ासे पर मामला दर्ज कर अब पुलिस ने जांच आरंभ की है। थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि एक संयुक्त रिपोर्ट धोखाधड़ी जौनपुर के बाबूराम पुत्र बींजाराम, पाबूराम, मालमसिंह, हनुमतराम, बीरमसिंह आदि की तरफ से दी गई है। उसने बताया कि गत साल 12 अक्टूबर को पीलवा के बचनाराम विश्नोई, उरुका पुत्र पिंटू, चित्तौड़गढ़ जिले के चंदेलिया निवासी भगवती आचार्य ने संपर्क किया था। यह लोग

■ **पीड़ित संविदा पर नौकरी करते हैं, मामला दर्ज**

जयपुर से यहां आए थे। इन लोगों को पीड़ितों ने बताया कि वे संविदा पर नौकरी करते है। तब उन लोगों ने उन्हें सरकारी नौकरी दिलवाने की बात की। यहां पावटा उद्यान में उनसे दस- दस हजार रूपए बतौर पेशगी ली गई। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें जयपुर बुलाया जहां पर लाखों रूपए नौकरी के नाम पर दिए गए। मगर काफी समय गुजरने के बावजूद उन्हें नौकरी नहीं दिलाई तथा वे टालमटोल जवाब देने लगे। आखिरकार उन्होंने संपर्क करना छोड़ दिया। थानाधिकारी ने बताया कि धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। कोर्ट से मिले इस्तग़ासे पर प्रकरण दर्ज हुआ है।

साधारण दुकान में संचालित हो रहा है बोरावड़ उपडाकघर, उपभोक्ता परेशान

बोरावड़, (निर्सं)। बोरावड़ उपडाकघर को पुराने भवन के जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2०24 में आनन-फानन में एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया गया, लेकिन यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थिति यह है कि डाकघर के भीतर कार्डेंट बेहद संकरे स्थान पर संचालित हो रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को धक्का-मुक्की और अफरा-तफरी का सामना करना पड़ रहा है। यहां न खिड़की है और न वेंटिलेशन की व्यवस्था, ऐसे में गर्मी और बिजली कटौती की स्थिति में वातावरण असहनीय हो जाता है। बारिश के दिनों में पानी सीधे अंदर घुसने का खतरा बना रहता है, जिससे अभिलेख और सिस्टम को नुकसान हो सकता है। वहीं धूल-आंधियों के चलते कंप्यूटर बार-बार खराब होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं।



बोरावड़ उपडाकघर में मूलभूत सुविधाएं नहीं होने से उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं।

न होने से गर्मी में सिस्टम ओवरहीट होकर बार-बार बंद हो जाते हैं और कर्मचारी व उपभोक्ता दोनों ही परेशानी झेलते हैं। ग्रामीणों के आटाह पर पूर्व विषाधक रूपराम मुरावतिया सहित नगरपालिका बोरावड़ के निवर्तमान

उपाध्यक्ष शमीम खत्री, केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव सुरेश कुमार सोनी, निवर्तमान पार्षद प्रकाश सोनगरा, एडवाकेट अनिल कुमार सोनी, कैलाश गेलड़ा व शहर के गणमान्य नागरिकों ने इस अव्यवस्थित

व्यवस्था को गंभीर लापरवाही बताते हुए पोस्ट मास्टर जनरल, राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र (जोधपुर) को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि उपडाकघर जैसी जनता से सीधे जुड़ी सुविधा का इस तरह बिना योजना के एक साधारण

■ **बोरावड़ उपडाकघर का पुराना भवन जर्जर होने के बाद अक्टूबर 2024 में इसे एक दुकान में स्थानांतरित कर दिया था**

■ **यहां न तो पर्याप्त जगह है और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं**

दुकान में संचालन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। नागरिकों ने मांग की है कि बोरावड़ जैसे महत्वपूर्ण उपडाकघर को नियमानुसार सुविधाओं वाले भवन में शीघ्र पुनः स्थानांतरित किया जाए। साथ ही जब तक यह संभव न हो, तब तक वर्तमान भवन में वेंटिलेशन, एसी, पानी और प्रतीक्षा क्षेत्र जैसी न्यूनतम सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं।

स्ट्रीट वेंडर्स के मामले में अजमेर नगर निगम बैकफुट पर

अजमेर, (कासं)। सिविल न्यायालय उत्तर की न्यायाधीश कोमल भाटी ने नगर निगम द्वारा प्रस्तुत न्यायलय के क्षेत्राधिकार पर आपत्ति उठाने वाली चार प्रार्थना पत्रों को एक साथ खारिज करने के आदेश पारित किये।

पूर्व लोक अभियोक्तक विवेक पाराशर ने बताया कि अदालत ने स्ट्रीट वेंडर्स के पक्ष में 8 अक्टूबर तक स्थगन आदेश बढाकर उन्हें राहत प्रदान की है, इसके साथ ही नगर निगम अजमेर द्वारा चार अलग-अलग प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निगम ने न्यायलय के सुनवाई के क्षेत्राधिकार को चुनौती दी थी और निगम को दावा प्रस्तुत करने के पूर्व नोटिस नहीं देने, स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट 2०14 के तहत प्रकरण पोषणीय नहीं होने सहित कई विधिक आधार पर

■ **अदालत ने निगम की चार अर्जियों को एक साथ खारिज किया, आठ अक्टूबर तक राहत दी**

प्रकरण को खारिज करने की मांग को लेकर अदालत को चुनौती दी थी। न्यायलय द्वारा स्ट्रीट वेंडर्स के अधिवक्ता विवेक पाराशर, संजीव रोहिला, जितेश धनवानी के तर्कों से सहमत होते हुए एवं प्रस्तुत न्यायिक दृष्टांतों की रोशनी में अदालत में मामले को सिविल न्यायलय की क्षेत्राधिकारिता मानते हुए निगम के चारों प्रार्थना पत्र को खारिज करने के आदेश पारित किया।

गौरतलब है कि आनासगर

चौपाटी रीजनल कॉलेज पर थड़ी, ठेला व रेहड़ी लगाकर अपना व्यापार व्यवसाय, स्ट्रीट फूड बेचकर आजीविका चलाने वाले वेंडर्स ने जून 2०25 में उन्हें आनासगर चौपाटी से जबरन हटाकर मितल हॉस्पिटल के सामने शिफ्ट करने की धमकी नगर निगम द्वारा देने पर अदालत की शरण ली थी और अदालत ने उन्हें राहत प्रदान की। इस दौरान निगम द्वारा कई प्रार्थना पत्र याचिका को खारिज करने के लिए विभिन्न माध्यम से अदालत में पेश किए थे जो भी तत्कालीन समय में खारिज किए जा चुके हैं, ऐसे में नगर निगम स्ट्रीट वेंडर्स के मामले में बैकफुट पर आ चुका है और मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को तय की गई है।